माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परी[redacted]के नाम की सील: हायर सेकण्ड्री

परीक्षा वर्ष 2009

केन्द्र क्र. 321108

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 120 परीक्षा का विषय भूगोल

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 6/05/2009

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2033	B

K

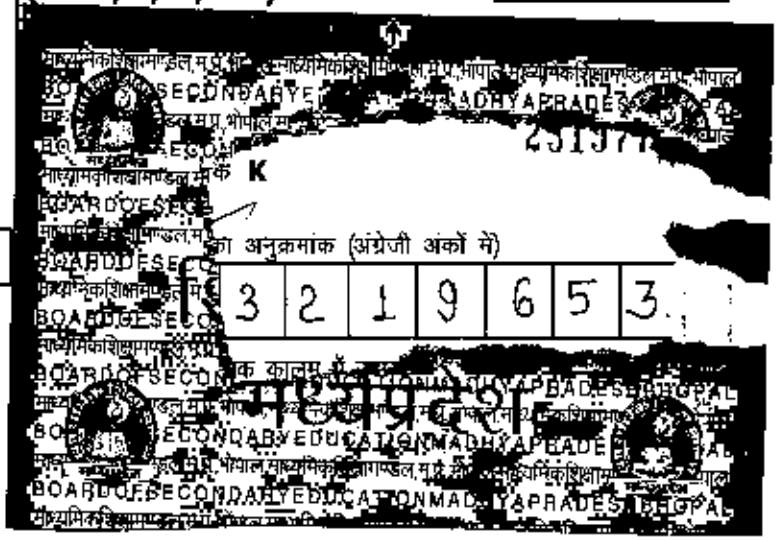

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

3	2	1	9	6	5	3

मध्यप्रदेश

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 01 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम Rajendr पद Adhyapak

पता / संस्था Govt H. S. School Shankarpur

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पु
चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन f
पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य

परीक्षक क्रमांक आर. सी. चौरसिया पंजी. क्र. 044012

दिनांक.................... दिनांक....................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौंपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों का मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्रश्न → 1

उ० →

(अ) रैटजेल ।

(ब) औजार बनाना ।

(स) नगरीय एवं विकसित अर्थव्यवस्था ।

(द) राइन ।

(इ) उपर्युक्त सभी ।

SEMP

प्रश्न → 2

उ० →

	'अ'		'ब'
(अ)	सूती वस्त्र उद्योग	—	कृषि आधारित ।
(ब)	तृतीय श्रेणी के आर्थिक प्रदेश	—	लघु स्तरीय प्रदेश
(स)	बेलाडीला	—	लौह अयस्क ।
(द)	पश्चिमी यमुना नहर	—	हरियाणा ।
(इ)	~~चीनी~~ चावल	—	छत्तीसगढ़ ।

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रश्न ⇒ 3

उ० ⇒ (i) कांडला बन्दरगाह कराची बन्दरगाह का पूरक है।

(ii) अहमदाबाद को 'भारत का मानचेस्टर' कहते हैं।

(iii) रानीगंज कोयला क्षेत्र झारखण्ड राज्य में स्थित है।

(iv) भारतीय मृदा की प्रमुख समस्या अपरदन एवं भूमि गुणवत्ता का ह्रास है।

(v) भारतीय वन अनुसंधान संस्थान ~~कोलकता~~ कोलकाता में स्थित है।

प्रश्न ⇒ 4

उ० ⇒ (i) असत्य।

(ii) सत्य।

(iii) सत्य।

(iv) असत्य।

(v) सत्य।

योग

5 | 17 + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 5 के अंक | कुल अंक

प्रश्न ⇒ 5

उ० ⇒ आकार के आधार पर नगरीय अधिवासों के निम्न प्रकार हैं :—

(i) नगरीय पुरवा ।
(ii) नगरीय कस्बा ।
(iii) नगरीय गाँव ।
(iv) नगर ।
(v) नगर माला ।
(vi) महानगर ।
(vii) मैगालोपोलिस ।

(i) नगरीय पुरवा ⇒ नगरीय पुरवा वो नगरीय अधिवास होते हैं जो छोटे-छोटे पुरवे की तरह औद्योगिक, स्कूल, परिवहन के कारण बस जाते हैं। परन्तु इनकी 500 से 1000 तक होती हैं।

(ii) नगरीय कस्बा ⇒ नगरीय कस्बा भी ग्रामीण अधिवास के कस्बों के समान होते हैं कहीं ये तो ये गाँवों की आकार के समान होता है तो कभी उनके आकार से बड़ा होता है।

(iii) नगरीय गाँव ⇒ नगरीय गाँव की एक विशेषता होती है कि यह जहाँ मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। ये वही अपना स्थायित्व जमा लेतें हैं।

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(iv) नगर ⇒ नगरीय अधिवास में नगर उस स्थान विशेष को कहा जाता है जिसमें मानवीय आवश्यकताओं की अधिकतम मात्रा में पूर्ति की जा सके। यहाँ की जनसंख्या सामान्य स्तर की होती है।

(v) नगर माला ⇒ नगर माला उस स्थान को कहते हैं जब किसी नगर के पास छोटे-छोटे पुरवे बस जाते हैं। तो उसे नगर माला के नाम से सम्बोधित किया जा सकता है।

(vi) महानगर ⇒ महानगर उसे कहते हैं जहाँ की जनसंख्या 10 लाख से अधिक होती है। जैसे — ग्रेटर मुम्बई।

(vii) मेगालोपोलिस ⇒ नगरीय अधिवास का एक प्रतिरूप मेगालोपोलिस है प्रतिरूप होता है। इसकी यह विशेषता होती है कि यहाँ की जनसंख्या 50 लाख से अधिक होती है। जैसे — शिकागो आदि।

ये सभी प्रतिरूप नगरीय अधिवास के होते हैं। इनके आधार पर जनसंख्या का अनुमान लगाना सम्भव हो जाता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 6

उ० ⇒ स्वेज नहर और पनामा नहर में अन्तर —

स्वेज नहर	पनामा नहर
(i) स्वेज नहर भूमध्य सागर तथा लाल सागर को जोड़ती हैं।	(i) पनामा नहर प्रशान्त महासागर तथा अटलांटिक महासागर को जोड़ती हैं।
(ii) स्वेज नहर 165 Km लम्बी 65 मी॰ चौड़ी तथा 11 मी॰ गहरी हैं।	(ii) पनामा नहर 80 Km लम्बी, 90 मी॰ चौड़ी तथा 12 मी॰ गहरी हैं।
स्वेज नहर में जलयानों पर अधिक कर लगाया जाता हैं।	(iii) पनामा नहर में जलयानों पर कम कर लगाया जाता हैं।
स्वेज नहर में कोयले तथा लोहे के पर्याप्त भण्डार पाए जाता हैं।	(iv) पनामा नहर में ये सभी संसाधन अपेक्षाकृत कम पाए जाते हैं।
i) यहाँ जनसंख्या तथा माल अधिक ढोने को मिल जाता हैं।	(v) पनामा नहर में यह दोनों की कमी होती हैं।

BSEMP

प्रश्न ⇒ 7

उ० ⇒ मानव विकास के आर्थिक एवं सामाजिक कारक निम्न लिखित हैं—

(1) आर्थिक तत्व — (i) उत्पादकता।
(ii) प्रति व्यक्ति आय।
(iii) कच्चा माल की आपूर्ति।
(iv) व्यापारिक तत्व।

(2) सामाजिक तत्व — (i) शिक्षा।
(ii) स्वास्थ्य।
(iii) सामाजिक सुधार।

आर्थिक तत्व — (i) उत्पादकता ⇒ मानव विकास की प्रक्रिया कैसी है यह अनुमान लगाने के लिए समक्ष देश के उत्पादन की क्षमता ज्ञात होनी चाहिए इसके फलस्वरूप ही मानव विकास का स्तर पैमानित किया जाएगा।

(ii) प्रति व्यक्ति आय ⇒ मानव विकास की प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए उस देश की जनसंख्या की प्रति व्यक्ति आय का ज्ञात होना अति आवश्यक है। क्योंकि ~~इस~~ इसके बिना देश प्रगति कर रहा है यह ज्ञात करना असम्भव हो जाएगा।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(iii) कच्चे माल की आपूर्ति ⇒ मानव विकास को ज्ञात करने के लिए कच्चे माल की पूर्ति का प्रतिशत क्या है यह जानना अति आवश्यक है। इसके देश की आर्थिक स्थित का ज्ञान होता है।

(iv) व्यापारिक तत्व ⇒ मानव विकास के निर्धारण हेतु व्यापारिक तत्वों का ज्ञान अति आवश्यक होता है क्योंकि व्यापार के बिना देश प्रगति कर ही नही सकता।

(ii) सामाजिक तत्व ⇒ (i) शिक्षा ⇒ मानव विकास की अवधारणा का स्तर देश के शिक्षा स्तर से अनुमानित किया जा सकता है क्योंकि सामाजिक क्षेत्र में शिक्षा का महत्व पूर्ण स्थान है।

(ii) स्वास्थ्य ⇒ कोई देश तब अपना विकास करेगा जब उस देश की जनसंख्या का अधिक प्रतिशत हो। जब जनता स्वस्थ्य रहेंगी तभी तो मानव विकास हो पाएगा।

(iii) सामाजिक सुधार ⇒ कोई देश उस वक्त मानव विकास सूचकांक अधिक कर पाएगा जब उसके समाज का ढाँचा अच्छा हो।

BSEMP

प्रश्न ⇒ 8
उ० ⇒

ग्रामीण बस्तियों तथा नगरीय बस्तियों में अन्तर —

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
(i) ग्रामीण बस्तियाँ सामान्यतः छोटी होती हैं। अपखण्डित अधिवास के रूप में।	(i) नगरीय बस्तियों का आकार अपेक्षाकृत बड़ा होता है।
(ii) इस बस्ति का मुख्य व्यवसाय प्राथमिक क्रिया कलाप की क्रियाएँ होती हैं।	(ii) इस बस्ती का मुख्य व्यवसाय गौण व्यवसाय होते हैं।
(iii) ग्रामीण बस्तियों में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव होता है।	(iii) इस बस्ति में स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होती हैं।
(iv) ग्रामीण अधिवासों में यातायात तथा परिवहन की सुविधा का अभाव होता है।	(iv) इस बस्ति में वे सभी व्यवस्थाएँ उपलब्ध होती हैं।
(v) ग्रामीण बस्तियों में जागरूकता शिक्षा आदि की कमी रहती हैं।	(v) इस बस्ती सभी चीजें उपलब्ध रहती हैं।

निष्कर्ष ⇒ अतः हम निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं कि नगरीय बस्तियाँ ज्यादा विकसित होती हैं।

B S E

योग पृ० पृ०

प्रश्न ⇒ 10

उ० ⇒ वायु प्रदूषण से आशय ⇒ हमारा वायुमण्डल अनेक गैसों को मिला कर बना हैं। जिसमें हमारे मानवीय क्रियाकलाप द्वारा हस्तक्षेप किया जा रहा है। औद्योगिकीकरण तथा परिवहन के साधनों से निकला हुआ अवांछनीय धुँआ हमारे समस्त पर्यावरण के वायु मण्डल में वायु प्रदूषण कर रहा हैं।

BSEMP

वायु प्रदूषण से बचाव के उपाय ⇒

(1) औद्योगिकी करण की सीमा निर्धारण ⇒ वायु प्रदूषण को रोकने के लिए उद्योगों की स्थापना की गति को धीमा करना चाहिए ताकि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकें।

(2) परिवहन के साधनों में कमी ⇒ वायु प्रदूषण को रोकने के लिए परिवहन के साधनों के विकास पर रोक लगा देना चाहिए। ताकि वायु प्रदूषण कम किया जा सकें।

(3) रसायनों और उर्वरकों का कम प्रयोग ⇒ वायु प्रदूषण को कम करने के लिए भूमि पर किया जाने वालेरसायनों का प्रयोग सीमित मात्रा में करना चाहिए ताकि वायु प्रदूषण को कम किया जा सकें।

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

कुल अंक

(iv) मशीनों का कम प्रयोग ⇒ मशीनों का प्रयोग हम दैनिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए करते हैं। जिनसे भी वायु प्रदूषण होता है अतः इसे कम करके वायु प्रदूषण कम किया जा सकता है।

(v) जीवाश्म ईंधन ⇒ जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग करके भी वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इनसे अपेक्षाकृत कम प्रदूषण होता है।

प्रश्न ⇒ 11

उ० ⇒ लिंगानुपात से आशय ⇒ लिंगानुपात से आशय प्रति हजार पुरुषों में महिलाओं की संख्या के अनुपात को 'लिंगानुपात' कहते हैं। जैसे भारत में 1000 पर 933 महिलाओं का लिंगानुपात है।

लिंगानुपात का महत्व ⇒ (1) लड़कियों तथा लड़कों की जनसंख्या का अनुपात ज्ञात करना।

(2) देश की आर्थिक प्रगति में सहायता।

(3) देश की अर्थव्यवस्था पर जनसंख्या का दबाव ज्ञात हो जाता है।

BSEMP

लिंगानुपात को निर्धारित करने वाले कारक — (i) जन्म दर ।
(ii) मृत्यु दर ।
(iii) प्रवास ।
(iv) युद्ध ।

(1) जन्म दर (Birth rate) ⇒ किसी देश में एक समय में उत्पन्न होने वाले बच्चों की दर को जन्म दर कहते हैं। जन्म दर जितनी होगी लिंगानुपात उसके अनुसार घटता - बढ़ता है।

(2) मृत्यु दर (Death rate) ⇒ किसी देश में एक समय में विलुप्त हुए बच्चों की जनसंख्या दर को मृत्यु दर कहते हैं। यह भी लिंगानुपात (Sex Ratio) को प्रभावित करता है।

(3) प्रवास (Migration) ⇒ प्रवास एक स्थान से दूसरे स्थान को जाने की प्रक्रिया को प्रवास या स्थानान्तरण कहते हैं। यह भी लिंगानुपात को प्रभावित करता है।

(4) युद्ध ⇒ युद्ध की स्थिति में कई लोग अकाल, भुखमरी आदि का शिकार हो जाते हैं जो लिंगानुपात को प्रभावित करता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 12
उ० ⇒ उद्योग ⇒ उद्योग आज हर देश की आधार भूत आवश्यकता बन गया है क्योंकि उद्योग के बिना कोई भी राष्ट्र अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में अक्षम है। अतः उद्योग एक अति आवश्यक तत्व है।

उद्योग की समस्याएँ निम्नलिखित हैं ⇒

(1) कच्चे माल की आपूर्ति ⇒ किसी भी उद्योग को स्थापित करने के लिए उस उद्योग के कच्चे माल की आवश्यकता पड़ती है। जिसके बिना कोई उद्योग का स्थानीकरण नहीं किया जा सकता है।

(2) शक्ति के साधन ⇒ किसी भी उद्योग को स्थापित करने के लिए शक्ति के साधनों की अनिवार्य आवश्यकता होती है। क्योंकि इसके बिना कोई भी यांत्रिक मशीन का चलना असम्भव होता है जिसके बिना उद्योग की स्थापना असम्भव हो जाती है।

(3) यातायात तथा परिवहन के साधन ⇒ किसी उद्योग को स्थापित करने के लिए उस स्थान पर यातायात तथा परिवहन के साधनों की अनिवार्य आवश्यकता होती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(4) जलापूर्ति के साधन ⇒ उद्योग के स्थानीकरण में जलापूर्ति के साधनों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। क्योंकि इसके बिना जलापूर्ति के साधन की अनिवार्यता होनी चाहिए।

(5) सस्ते कुशल श्रमिक ⇒ उद्योग के स्थानीकरण में सस्ते तथा कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है क्योंकि उद्योग तभी स्थापित जब यांत्रिक कार्य किया जावेगा जो कि कुशल श्रमिकों द्वारा ही किया जा सकेगा।

B
S
E
M
P

प्रश्न ⇒ 14

उ० ⇒ भारतीय कृषि की समस्याएँ निम्नलिखित हैं ⇒

(1) खेत की जोतों का छोटा आकार ⇒ भारतीय कृषि की एक अत्यन्त गम्भीर समस्या ये है कि भारत में जनसंख्या के तीव्र दबाव के कारण खेतों का छोटा आकार होता है जिसके कारण भारतीय कृषि में उत्पादन की कमी होने लगती है। जिससे भारत उत्पादक देशों में पिछड़ जाता है। खेत की जोत के छोटे आकार के कारण भारतीय कृषि प्रणाली का विकास नहीं हो पाया है।

P.T.O.

(ट) परम्परागत साधनों का प्रयोग ⇒ भारतीय कृषि में भारतीय कृषकों द्वारा कृषि की जाती है जिसके कारण कृषि की प्रणाली ही दोषपूर्ण होजाती है अर्थात् परम्परागत साधनों के प्रयोग से भारतीय कृषि जटिल हो जाती हैं।

(ड) सिंचाई के साधनों की कमी ⇒ भारतीय कृषकों के लिए एक गम्भीर समस्या यह है कि सिंचाई के साधनों की कमी क्योंकि भारत में वर्षा का वितरण काफी असमान हैं।

कृषि मानसून का जुआ ⇒ भारतीय कृषक अपनी कृषि का आधार मानसून को मानते है जिसके कारण वे सिंचाई के साधनों की व्यवस्था करने में अक्षम हो जाते हैं।

) उत्तम नस्ल के बीजों की कमी ⇒ भारतीय कृषकों में जानकारी प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी की कमी होती है जिसके कारण वह बीजों की उत्तम नस्ल का उत्पादन नही कर पाते हैं।

अतः इस प्रकार भारतीय कृषि की अनेक अत्यन्त जटिल समस्यायें हैं।

B S E M P

प्रश्न ⇒ 16

उ० ⇒ औद्योगिक अवस्थिति एवं समूहीकरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं —

(i) स्थानीय कच्चा माल अनुपलब्ध ⇒ औद्योगिक स्थित को प्रभावित करने वाले कारकों में स्थानीय कच्चा माल अनुपलब्ध होना है क्योंकि यदि कच्चा माल आयात करना पड़ता है जिसके कारण धन का व्यय होता है अतः औद्योगिक स्थित नहीं बन पाती है।

(ii) शक्ति के साधन ⇒ औद्योगिक स्थित को प्रभावित करने वाले कारकों में से शक्ति के साधन की समस्या अत्यन्त महत्व पूर्ण है क्योंकि यदि शक्ति साधन नहीं होगे तो मशीने नहीं चल पायगी और औद्योगिक अवस्थीकरण की स्थिति निर्मित हो जाएगी।

(iii) यातायात तथा परिवहन के साधन ⇒ औद्योगिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों में से यातायात तथा परिवहन के साधनों का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यातायात और परिवहन के साधन के बिना उद्योग का निवास सम्भव हो ही नहीं सकता है।

P.T.O.

BSEMP

(iv) जल की आपूर्ति ⇒ औद्योगिक अवस्थीकरण के कारकों में से जल की आपूर्ति एक महत्व पूर्ण गम्भीर समस्या हैं। जिसके बिना किसी भी उद्योग का विकास सम्भव ही नही हो सकता हैं। जल संसाधन के बिना तो समस्त देश में कुछ भी नही रह पायेगा।

(v) सस्ते एवं कुशल श्रमिक ⇒ भारत में तकनीकी शिक्षा की बहुत कमी पायी जाती हैं। अतः इसी कारण यहाँ सस्ते सस्ते एवं कुशल श्रमिकों की समस्या का उद्भव हो जाता हैं। ये कारक उद्योग के स्थापित होने में अपना प्रभाव दिखाते हैं।

(vi) बाजार का समीपीकरण ⇒ भारत में बाजार की बहुत कमी हैं। यदि बाजार स्थानीय निवास में हो तो उद्योग का विकास सम्भव होजाए परन्तु यदि बाजार दूर हो तो उद्योग का स्थापित होना असम्भव हो जाता हैं।

" अतः ये उपरोक्त सभी कारक औद्योगिक अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों में से हैं।"

पृष्ठ के अंकों का योग

19

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न ⇒ 15

उ० ⇒ कम दूरी के लिए रेलों की अपेक्षा सड़क मार्ग अधिक उपयुक्त होते हैं इनके निम्न लिखित कारण हैं —

(i) सड़क परिवहन सबसे सस्ता साधन हैं।

(ii) सड़क परिवहन छोटे वाहनों द्वारा भी किये जा सकते हैं।

(iii) सड़क परिवहन आधार की रक्त शिराओं के समान हैं।

(iv) सड़क परिवहन के रखरखाव में कम खर्चा आता हैं।

(v) सड़क परिवहन द्वारा राज्यों को गाँवों तक जोड़ा जा सकता हैं।

(vi) सड़क परिवहन द्वारा शीघ्र नाशवान वस्तुओं को नष्ट होने से पहले आमुक स्थान पर पहुचाया जाना सम्भव हैं।

(vii) सड़क परिवहन द्वारा हम सभी देशों द्वारा परोक्ष रूप से जुड़ सकते हैं।

उपरोक्त दिए गये कारणों से यह निष्कर्ष निकलता है कि सड़क परिवहन रेल परिवहन यानी रेल मार्गों से ज्यादा उपयुक्त होते हैं। सड़क हमारे देश में दो तरह की पायी जाती हैं। प्रथम डामर युक्त तथा द्वितीय कच्चे मिट्टी युक्त। सड़क मार्गों का सबसे ज्यादा विस्तार संयुक्त राज्य अमेरिका (U.S.A) में मिलता है भारत भी अनेक उद्यम इस ओर

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

कुल अंक

अग्रसर हो रहा हैं। क्योंकि सड़क मार्गों द्वारा ही हमारे देश का आर्थिक विकास सम्भव हो पाएगा। सड़क परिवहन एक अत्यन्त आवश्यक तत्व है सम्पूर्ण विश्व के लिए। क्योंकि ये अनेक गुणों से युक्त हैं। परन्तु इनकी निर्माण में अनेक समस्याएँ आती हैं। अतः सभी राष्ट्रों को चाहिए की इन सभी समस्याओं को दूर करते हुए सड़क निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। और अपने देश का समग्र विकास करें।

भारत में सड़के अनेक प्रकार की पायी जाती हैं। भारत एक विकासशील राष्ट्र है। यदि विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अपने आप को रखना चाहते है तो सड़क का विस्तार अवश्यम्भावी आवश्यक तत्व है। भारत में अनेक प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों के बहुमूल्य साधनों की बहुलता पायी जाती है। अतः भारत में वे सभी गुण विद्यमान है जो कि भारत को विकसित देशों में से एक होने के लिए चाहिए। परन्तु भारत अभी सड़क मार्गों का केवल 20% ही निर्माण कर सका हैं।

अतः हम यह कह सकते हैं कि —

" सड़क मार्ग व्यापार की रक्त ~~नलिका~~ शिरा हैं।"

B S E M F

पृष्ठ के अंकों का योग

यो.प.पू.पू.

प्रश्न ⇒ 9
उ० ⇒

पारेषण	संचार
(i) पारेषण उसे कहते है जिसके द्वारा किसी मार्ग द्वारा किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजा जाता हैं।	(i) संचार वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सूचनाओं का आदान प्रदान किया जाता हैं।
(ii) पारेषण का उदाहरण — हजीरा - विजयपुर - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन।	(ii) संचार का उदाहरण — रेडियो, टेलीविजन आदि।
(iii) पारेषण द्वारा वस्तु भेजने में धन का व्यय अपेक्षाकृत अधिक होता हैं।	(iii) संचार द्वारा सूचना सम्प्रेषण में धन का व्यय कम होता हैं।
(iv) पारेषण द्वारा वस्तुओं को स्थानान्तरित करना एक कठिन कार्य हैं।	(iv) संचार द्वारा सूचनाओं का स्थानान्तरण अपेक्षाकृत कठिन काम हैं।
(v) पारेषण एक प्रक्रिया हैं।	(v) संचार एक माध्यम हैं।

निष्कर्ष ⇒ अतः निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते है कि पारेषण और संचार दोनोही जनमानस के लिए आवश्यक हैं।

BSEMP

याम पृ० पृ०

मध्यप्रदेश

प्रश्न ⇒ 13

उ० ⇒ विश्व के सीमाकार मानचित्र में निम्न लिखित को दर्शाया —

① कैनेडियन पैसिफिक रेलमार्ग।

② कोलकाता बन्दरगाह।

③ सिंगापुर।

④ दक्षिणी अन्ध महासागरीय मार्ग।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

केन्द्र ... 108 हायर से... Roll no.— 293219653

प्रश्न→13

उ० →

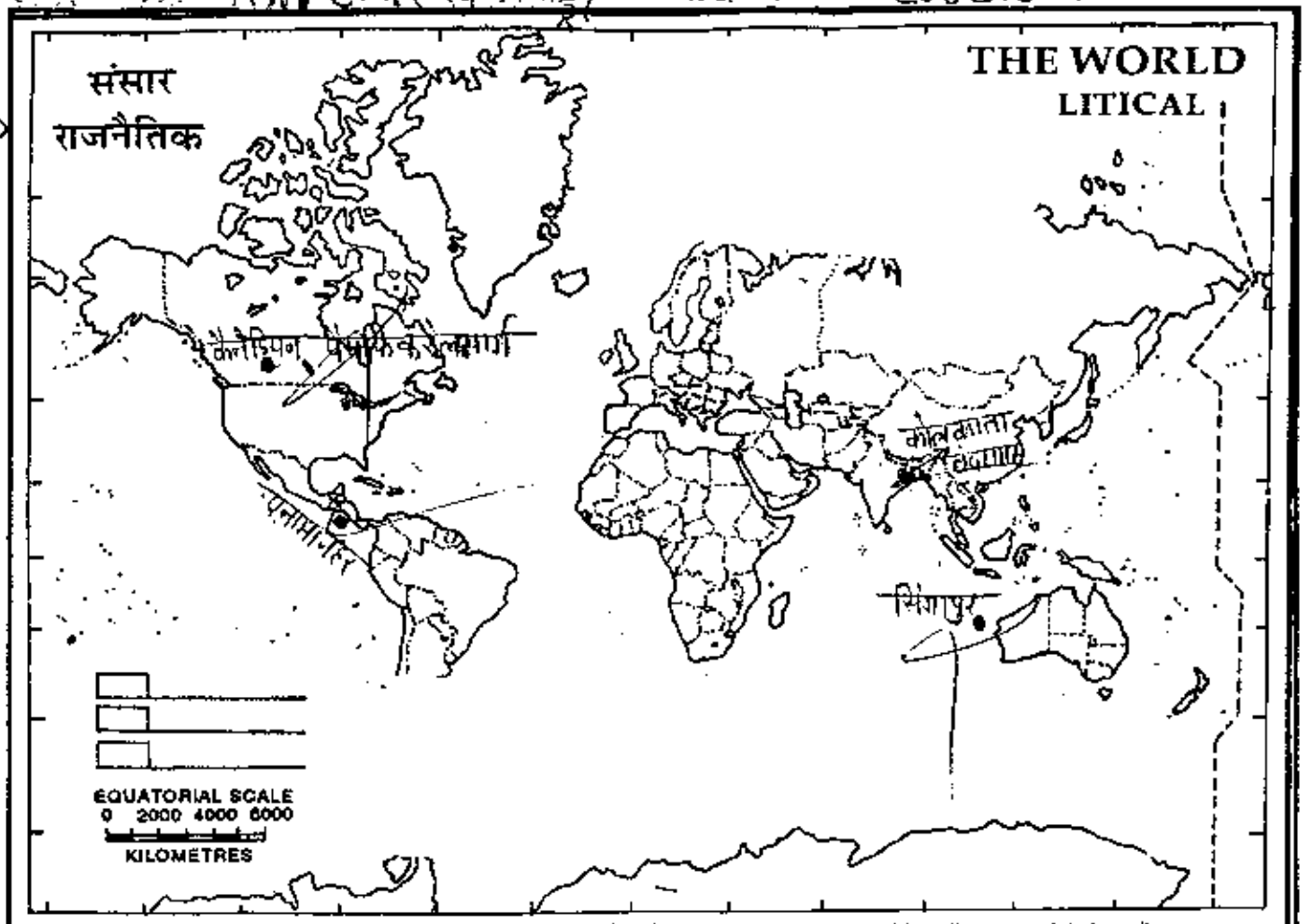

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The External Boundary of India shown on this map agrees with Record/Master copy certified by the Survey of India, Dehra Dun, vide their letter No. T.B 886 /62-A-3/213 dated : 25-3-94

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग